

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी Rashtradoot

फोन:- 230200, 230400 फैक्स:- 07469-230600

वर्ष: 17

संख्या: 186

प्रभात

हिण्डौन सिटी, रविवार 11 मई, 2025

पो. रजि.SWMM-RJ-6069/2017-18

पृष्ठ 6

मूल्य 2.50 रु.

बाज नहीं आया पाकिस्तान, तोड़ा सीज़फायर

दोनों देशों के बीच शाम 5 बजे से सीज़फायर शुरू हुआ था, पर 8 बजते ही पाकिस्तान ने गोलीबारी शुरू कर दी

नई दिल्ली, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीज़फायर लागू हो गया। इसके 3 घंटे बाद ही, पाकिस्तान ने सीज़फायर का उल्लंघन कर दिया। रात 8 बजे से पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर के अखनूर, पुंछ, नौशेरा, श्रीनगर, आरएसपुरा, सांबा, उधमपुर में फायरिंग की जा रही है। राजौरी में शेलिंग (तोप और मोर्टार) की गई। उधमपुर में ड्रोन से हमला हुआ।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आज भी घमाकों की आवाज सुनी गई। सीएम उमर अबदुल्ला ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ? श्रीनगर में घमाकों की आवाज़ें सुनी गईं।

सीज़फायर के ऐलान के बाद, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब के बॉर्डर वाले जिलों में ब्लैकआउट रद्द कर दिया था। लेकिन, पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट कर दिया गया है। बॉर्डर वाले जिलों की बिजली काट दी गई है। लोगों को घर से न निकलने की एडवाइज़री जारी की गई है।

- इसी के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में फिर से ब्लैक आउट कर दिया गया।

- गोलाबारी के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने एक्स पर ट्वीट किया, आखिर सीज़फायर का क्या हुआ।

- राजस्थान में भी पोखरण व जैसलमेर में धमाकों की आवाज़ें सुनी जा रही हैं। कश्मीर में राजौरी, अखनूर, आरएसपुरा व बारामूला में पाकिस्तान ने गोलीबारी की है।

- पंजाब के फिरोज़पुर, पठानकोट व अन्य इलाकों में पाकिस्तान की ओर से बमबारी की गई है।

- प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में गोलीबारी जारी है। फायरिंग के बाद तेज ब्लास्ट की आवाज सुनी गई। फिरोज़पुर और पठानकोट में जिला प्रशासन ने फिर से ब्लैकआउट का आदेश दिया है। सीज़फायर के ऐलान के बाद, ब्लैकआउट टाल दिया गया था, लेकिन पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट किया गया। पहले की

तरह जिले में बिजली गुल हो गई है। लोगों से घरों में रहने को कहा गया है। जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के अखनूर, राजौरी और आरएसपुरा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान द्वारा आर्टिलरी से गोलाबारी की गई है। वहीं, बारामूला में एक ड्रोन से अटैक हुआ है। पाकिस्तान ने जम्मू के पलनवाला सेक्टर में भी संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। वहीं,

राजस्थान के सात सीमावर्ती जिलों में फिर से ब्लैक आउट शुरू

दिन में सीज़फायर की घोषणा के साथ “ब्लैक आउट” करने का आदेश रद्द कर दिया गया था

जयपुर, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीज़फायर की घोषणा हुई थी। इसके कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान ने सीज़फायर का उल्लंघन कर दिया है। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में फायरिंग कर दी।

बाढ़मेर के जालीपा में तेज घमाका हुआ है और ड्रोन देखे जाने के बाद ब्लैक आउट हो चुका है। इसके बाद तेज घमाके की आवाज सुनी गई है। पुलिस लोगों को सड़क से हटा रही है। श्रीगंगानगर में भी ड्रोन दिखाई दिए।

राजस्थान के बॉर्डर से सटे जिलों, बाढ़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जोधपुर, फलींदी, पाली, बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर में फिर से ब्लैकआउट जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही आतिशबाजी करने और ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है।

इससे पहले सीज़फायर की घोषणा के बाद शनिवार शाम को राजस्थान के

अमृतसर सीमा पर हथियार, विस्फोटक का पैकेट पकड़ा

जालंधर, 10 मई। सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति के बावजूद, सीमा पार से हथियार गिरोह ने भारतीय धरती पर हथियार पहुंचाने की अपनी दुर्भावनापूर्ण साजिशों को नहीं रोका है।

बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर आज अमृतसर सीमा पर हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किये हैं।

- यह ड्रोन के द्वारा गिराया गया था तथा सीमा पार से हथियार गिरोह द्वारा भारत में हथियार पहुँचाने की साजिश का हिस्सा है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ खुफिया इकाई की विश्वसनीय सूचना के आधार पर, पंजाब पुलिस के सहयोग से बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर जिले के संदिग्ध सीमावर्ती क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया और दोपहर करीब 12:30 बजे 2.7 किलोग्राम उच्च विस्फोटक, दो हैड ग्रैनेड (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। अपनी सर्वोच्चता और भारत व पाकिस्तान पर पकड़ का स्पष्ट प्रदर्शन करते हुए, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान “तुरंत पूर्ण युद्ध विराम” के लिए मान गए हैं। दोनों देशों की राजधानियों को यह जानकारी देने से पहले ही ट्रम्प ने सार्वजनिक घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक को बाद से ही टकराव चल रहा है।

ट्रम्प ने कहा कि यूएस की मध्यस्थता की वजह से सीज़फायर हुआ है। परमाणु शक्ति सम्पन्न दोनों देशों के बीच में टकराव बढ़ता ही जाएगा।

अपने सोशल प्लेटफॉर्म टुथ पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, रात भर चली लंबी वार्ता, जिसमें अमेरिका ने मध्यस्थता की थी, के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है

कि भारत और पाकिस्तान “फुल एण्ड इमिजिएट सीज़फायर” (पूर्ण एवं तुरंत युद्ध विराम) लागू करने के लिए सहमत हो गए हैं।” समझदारी और बुद्धिमानि दिखाने के लिए दोनों देशों को बधाई।” विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने घोषणा की, पाकिस्तान के डायरैक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) ने भारत के डीजीएमओ को आज दोपहर बाद 3 बजकर पैंतीस मिनट पर फोन किया, उनके बीच यह सहमति बनी कि भारतीय समयानुसार, शाम 5 बजे से जमीन, हवा, समुद्र में सभी तरह के गोलीबारी व सैन्य कार्यवाही बंद कर दी जाएगी। दोनों पक्षों को इस बारे में निर्देश दिए गए हैं। दोनों

- ट्रम्प ने साफ तौर पर दावा किया कि यह सीज़फायर अमेरिका की मध्यस्थता की वजह से संभव हो पाया है।

- भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने भी सीज़फायर की पुष्टि करते हुए कहा, पाकिस्तान के डायरैक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स ने भारत के डीजीएमओ को फोन कर शाम 5 बजे से सैन्य कार्यवाही बंद करने की बात कही। दोनों पक्ष इस पर सहमत हैं।

- पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने एक्स पर ट्वीट कर सीज़फायर की पुष्टि की।

- अमेरिका का कहना है कि सैन्य टकराव बढ़ने के साथ ही वह चीन तथा अन्य जी-7 देशों के साथ हालात पर निगरानी करता रहा है।

देशों के डीजीएमओ 12 मई को फिर से बात करेंगे।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक

पाकिस्तान ने तोड़ा सीज़फायर

-रेणु मि्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 10 मई। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) पर और राजस्थान के बाढ़मेर और जैसलमेर से लगी भारत-पाकिस्तान सीमा पर भारी गोलाबारी शुरू हो चुकी है। पाकिस्तान की फायरिंग की सीधी जद में ये क्षेत्र आ गए हैं। कुछ शहरों में पूरी तरह से ब्लैकआउट हो गया है।

अब सवाल यह उठता है कि उस युद्धविराम का क्या हुआ, जिसकी घोषणा डॉनल्ड ट्रंप ने बड़ी धूमधाम से की थी और जिसमें भारत और पाकिस्तान, दोनों की सहमति बताई गई

- चर्चा है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर को अमेरिका का आदेश स्वीकार नहीं है।

थी?

अब, जबकि पाकिस्तान ने युद्धविराम का उल्लंघन कर दिया है, तो भारत भी प्रतिक्रिया में कार्रवाई शुरू कर देगा और पाकिस्तान पर बमबारी कर सकता है।

क्या इसके पीछे कारण यह है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर भारत के साथ शत्रुता समाप्त करने और अमेरिका के आदेशों को मानने से इनकार कर रहे हैं?

यह कोई रहस्य नहीं है कि मुनीर एक कट्टरपंथी विचारधारा वाले सैन्य प्रमुख हैं, जो किसी भी कीमत पर भारत को चुनौती देना चाहते हैं। अब देखना यह है कि इस युद्धविराम का अंततः क्या अंजाम होता है।

क्या ट्रंप ने सीज़फायर के लिए “डील” की पाकिस्तान से?

चर्चा है कि ट्रंप ने आईएमएफ पैकेज के बदले पाकिस्तान से सीज़फायर की डील की है

-अंजन राॅय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। जितनी तेजी से शुरू हुआ था, उससे अधिक तेजी से यह समाप्त भी हो रहा है। भारत-पाक संघर्ष में तनाव कम हो रहा है और एक सीज़फायर की घोषणा की गई है। लेकिन इस नाटकीय बदलाव में युद्ध में शामिल दोनों पक्षों और बाहरी शक्तियों की क्या भूमिकाएं रहीं, यह अब भी रहस्य बना हुआ है।

आश्चर्यजनक रूप से, स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि अमेरिका ने दावा किया कि उसकी मध्यस्थता ने चमत्कार कर दिया और दोनों राष्टों ने सीज़फायर पर सहमति दे दी है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी यह कह रहा है। कहा जा रहा है कि सौदाबाज़ी के लिए मशहूर डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को आई.एम.एफ. पैकेज, जिसकी पाकिस्तान को अपनी तत्काल आवश्यकताओं के लिए सख्त जरूरत थी,

- सूत्रों ने बताया कि आईएमएफ पैकेज के तुरंत बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तान के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ से बात की, उसके बाद उक्त अधिकारी ने एस. जयशंकर से बात की थी।

- विशेषज्ञों ने बताया, इसके बाद दोनों देशों की डीजीएमओ ने वार्ता की और इस प्रकार सीज़फायर के लिए वार्ता की शुरुआत हुई।

के बदले सीज़फायर के लिए राजी किया। अगर इसमें कुछ भी सच्चाई है, तो ट्रंप कम से कम इस बात का श्रेय ले सकते हैं कि उन्होंने एक बड़े संकट को टाल दिया, भले ही यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का उनका दावा अब तक सच नहीं हुआ हो।

फिर भी, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इन हस्तक्षेपों से इनकार किया और स्पष्ट कहा कि इसमें किसी बाहरी प्रभाव की भूमिका नहीं रही। बातचीत दोनों

- ज्ञातव्य है कि भारत-पाक विवाद में जहाँ भारत ने हमेशा से थर्ड पार्टी को मध्यस्थता का विरोध किया है, वहीं पाकिस्तान हमेशा “थर्ड पार्टी” को लाने का समर्थन करता रहा है।

- “सीज़फायर” की अचानक घोषणा के बाद भारत में सवाल पूछा जा रहा है कि तीन दिन के इस युद्ध से भारत को क्या मिला, क्या अमेरिका के दबाव में भारत झुक गया है? खासतौर पर संघ व भाजपा में असंतोष उभर सकता है।

- विभिन्न दलों की आंतरिक राजनीति भी उभर गई है। कांग्रेस इंदिरा गांधी और 1971 के वॉर की यादें ताजा कर रही है। पर, प्र.मंत्री मोदी का सीधे ही सामना करने को तैयार नहीं है, सवाल है, पर क्यों?

- यह जो भी कुछ हुआ, उसके नतीजे आगामी दिनों में दिखेंगे। पर, फिलहाल युद्ध का माहौल है तो सब चुप्पी लगाकर बैठें हैं।

तक चले युद्ध के बाद सरकार और भारत को क्या मिला?

भारत युद्धविराम के लिए क्यों राजी हुआ, इसकी अंदरूनी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है, लेकिन जो साफ

दिखाई दे रहा है, वह यह है कि अब विभिन्न राजनीतिक दलों की आंतरिक राजनीति सतह पर आने वाली है, और सर्वसम्मति समाप्त हो चुकी है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संस्थाएं दिवालिया देशों को केवल हथियारों और आतिशबाजी के लिए फंड नहीं देती।

आई.एम.एफ. पैकेज के तुरंत बाद, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने सीधे पाकिस्तान के “बेकाबू” सेना प्रमुख को फोन किया। खास बात यह रही कि रुबियो ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री को फोन नहीं किया। इससे पहले वे प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ से बात कर चुके थे।

रुबियो की पाकिस्तान के सेना प्रमुख से हुई बातचीत के तुरंत बाद, उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी कॉल किया गया। जयशंकर, जो अपने तीखे और तेज़ जवाबों के लिए जाने जाते हैं, ने शायद अपने अमेरिकी समकक्ष को कुछ सच्चाइयां स्पष्ट रूप से कह दी हों।

इसके बाद, सुबह के समय पाकिस्तान और भारत के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल में सुंदरवन के तटीय क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई

कोलकाता, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव के मद्देनजर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और खुफिया एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों, विशेष रूप से दक्षिण और उत्तर 24 परगना जिले में सुरक्षा कड़ी कर दी है।

बीएसएफ को आशंका है कि देश विरोधी तत्व बंगाल की खाड़ी के

- एक तटीय गाँव से 24 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की गिरफ्तारी के बाद यह कदम उठाया।

माध्यम से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने के लिए दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष का फैयदा उठा सकते हैं। केंद्रीय और राज्य खुफिया एजेंसियों ने दक्षिण और उत्तर 24 परगना में फैले सुंदरवन के 250 किलोमीटर के तटीय क्षेत्र पर निगरानी तेज कर दी है। यह कदम हाल ही में दक्षिण 24 परगना के एक तटीय (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

⊕

● ● ● ● ●

CMYK